बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-556
12/12/2022

मुख्यमंत्री ने राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पैठना–भागनबिगहा, रहुई, नालंदा के दंत अस्पताल का किया उद्घाटन

- राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पैठना–भागनबिगहा पूरे देश का वन ऑफ द बेस्ट हॉस्पिटल होगा– मुख्यमंत्री

पटना, 12 दिसम्बर 2022 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज नालंदा जिले के रहुई प्रखंड स्थित राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पैठना–भागनबिगहा, रहुई, नालंदा के दंत अस्पताल का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने उद्घाटन के पश्चात् राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा नैदानिक लैब, ओरल मेडिसिन नैदानिक लैब आदि का जायजा लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पैठना–भागनबिगहा, रहुई, नालंदा का दंत अस्पताल बनकर तैयार हो गया है, यह काफी खुशी की बात है। हमारे मन में यह बात काफी पहले से थी। आपको मालूम है कि पूरे बिहार में हर प्रकार से विकास का काम किया जा रहा है। नालंदा में भी अलग–अलग जगहों पर कई काम किये गये हैं। रहुई काफी सुंदर जगह है। सड़कें काफी ठीक ढंग से बनाई गई हैं इसके बगल में फोर लेन भी बन रहा है। अब लोग कहीं से भी सहूलियत पूर्वक यहां आवागमन कर सकते हैं। यह बिहार ही नहीं देश का एक खास अस्पताल है, जहां इलाज के साथ–साथ पढ़ने की भी काफी अच्छी सुविधा है। दांतों के इलाज के अलावा अन्य प्रकार की चिकित्सा के लिये भी यहां सौ बेड का इंतजाम रहेगा। यहां चिकित्सकों के रहने की भी व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि जब भी हम इधर से गुजरते थे तब इस अस्पताल के निर्माण की अद्यतन जानकारी विभागीय अधिकारियों से लेते रहते थे। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव ने मई 2023 तक इस राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का काम पूरे करने के प्रति मुझे आश्वस्त किया है। अपना दांत दिखाने के लिये अब हम भी यहीं आयेंगे। अब तक दिल्ली एम्स जाते रहे हैं। यहां जितनी अच्छी व्यवस्था है उतना दिल्ली एम्स में भी नहीं है। चिकित्सकों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां दंत चिकित्सा के लिये काफी संख्या में लोग पहुंचेंगे। काफी बेहतर ढ़ंग से उनका इलाज करियेगा। महिला चिकित्सक भी यहां पदस्थापित हैं। महिलाओं को इलाज में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। नालंदा जिला में मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज भी बनवाया गया है और अब दंत चिकित्सा के लिये भी इस अस्पताल का निर्माण कराया गया है। जो लोग अपना इलाज के लिये यहां आयें उन्हें कोई असुविधा न हो इसके लिये मेंटेनेंस के साथ–साथ साफ–सफाई का भी पुख्ता प्रबंध रखें। हर प्रकार से काम करवाया जा रहा है। हमलोग पूरे बिहार में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज बनवा

रहे हैं। कोरोना के दौर में भी काफी अच्छे ढंग से जांच और इलाज की व्यवस्था पूरे बिहार में की गई थी। अभी भी प्रतिदिन कोरोना का जांच किया जा रहा है, इसकी रिपोर्ट मुझे हर रोज मिलती है। पूरे देश में 10 लाख की आबादी पर कोरोना जांच की संख्या औसतन 6 लाख 50 हजार थी, जबकि यह बिहार में 8 लाख से भी ज्यादा है। केंद्र सरकार द्वारा कोरोना मृतक के आश्रितों को मात्र 50 हजार रुपये का मुआवजा देने का प्रावधान किया गया, जबकि हमलोग शुरू से ही 4 लाख रुपये दे रहे हैं। अभी भी 'जनता के दरबार में मुख्यमंत्री' कार्यक्रम में कोरोना मृतक के मुआवजा की शिकायतें मिलती हैं, उन्हें भुगतान करने की दिशा में कार्रवाई की जाती है। नालंदा विश्वविद्यालय सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय था। अब उसे काफी बेहतर ढंग से बनाया जा रहा है। दिल्ली में अभी जो लोग हैं, उनसे कोई उम्मीद नहीं है। इनसे मुक्ति मिलेगी तो नालंदा विश्वविद्यालय और बेहतर बनेगा। हमलोग नालंदा विश्वविद्यालय में सामान्य पढ़ाई के लिये नहीं बल्कि विशेष पढ़ाई के लिये व्यवस्था की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजगीर का बड़ा महत्व है। वहां अनेक जगहों पर काम करवाया गया है। बगल में बिहटा–सरमेरा सड़क का निर्माण करा दिया गया है। फोर लेन का निर्माण भी कराया जा रहा है। अभी सड़क मार्ग से पटना से राजगीर की दूरी सौ किलोमीटर है। हमलोग एक और रास्ता बनवा रहे हैं, जिसका निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यह दूरी घटकर 80 किलोमीटर हो जायेगी। इससे लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि आपलोग चिंता मत करिये हम राजगीर, गया, बोधगया और नवादा में गंगाजल पहुंचा दिये हैं। सभी जगह यह पहुंचाना मुमकिन नहीं है। राजगीर में प्रत्येक तीन साल पर मलमास मेला लगता है। ऐसी मान्यता है कि उस दौरान 33 करोड़ देवी–देवता वहां एक माह तक वास करते हैं। गया, बोधगया और नवादा में भी लोगों को हर प्रकार से सुविधा मुहैया कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में ग्रामीण और राज्य सरकार की सड़कें और पुल–पुलिया का पूरे तौर पर मेंटेनेंस होगा। इसके लिये विभाग में इंजीनियर और अन्य लोगों की संख्या बढ़ाई जायेगी। उन्होंने कहा कि बख्तियारपुर में बचपन में हम देखा करते थे कि लोग सड़कों की सफाई करते थे। बाद में सड़क मेंटेनेंस के लिये टेंडर होने लगा। हमने कहा कि मेंटेनेंस का काम विभागीय स्तर पर करवाइये, इससे लोगों को और रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि यहां भी लोग पराली जला रहे हैं, यह स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिहाज से काफी हानिकारक है। इससे माहौल बिगड़ता चला जा रहा है। हमने जिलाधिकारी को भी कहा है कि इस पर विशेष निगरानी रखें। आप सभी हमसे इतना प्रेम करते हैं, मेरी बात मानिये और पराली जलानेवाले लोगों को समझाइये। लोगों को प्रेरित करें कि वे पराली नहीं जलायें। पराली जलाने का काम पहले सिर्फ 4 जिलों में हुआ करता था, अब पटना और नालंदा के लोग भी पराली जलाते हैं। विधायकों से भी हम कहेंगे, इस पर ध्यान रखें और लोगों को समझायें। समारोह में उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री के समक्ष हाथ उठाकर पराली नहीं जलाने और लोगों को समझाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पराली जलाने के लिये लोगों को कौन सलाह देता है? इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होगी और खेती बर्बाद हो जायेगी। हमलोग पूरे बिहार में सिंचाई, बिजली सहित हर प्रकार से लोगों को सुविधा पहुंचाने का काम रहे हैं। अगले दो–तीन साल के अंदर हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि हम आपके इलाज का प्रबंध करवा रहे हैं और आप बीमार होने के लिये काम कर रहे हैं, यह ठीक नहीं है। दारू बहुत बुरी चीज है, यह बर्बाद कर देगा। हमलोगों ने बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की है। शराब का अवैध व्यापार और सेवन करनेवालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी को आगे बढ़ाकर अब इनसे हमें विकास का काम करवाना है। तेजस्वी जी आगे पूरा काम करवाते रहेंगे। विकास कार्यों के प्रति अधिकारीगण भी काफी सजग हैं। हमने बापू की बातों को ध्यान में रखते हुए विकास के सभी काम करवाये हैं, उसे और आगे बढ़ाया जायेगा। आपस में प्रेम और सद्भावना के साथ आप सभी मिलकर रहिये, इससे बिहार और आगे बढ़ेगा। आपलोग आपस में मिल–जुलकर रहें, कुछ लोग इधर–उधर, दायें–बांये कर झंझट लगाने की कोशिश में लगे रहते हैं। ऐसे लोगों से सजग रहने की जरूरत है। सभी मिलकर रहेंगे तो समाज और आगे बढ़ेगा। आपलोगों ने ही हमें विधायक बनने का अवसर दिया। वर्ष 1985 में हम विधायक बने तो क्षेत्र में प्रतिदिन सब जगह घूमते रहते थे, लोगों ने कहा कि आप आगे बढ़िये, फिर हम सांसद बने। आपस में एकजुटता के साथ रहें, विवाद नहीं करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम मुख्यमंत्री बने तो पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल देखने चले गये, काफी खराब हालत थी, उसे हमने ठीक कराया। उन्होंने कहा कि राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पैठना–भागनबिगहा, रहुई, नालंदा में दांत के इलाज की विशिष्ट व्यवस्था की गई है। अनेक जगहों से लोग यहां इलाज कराने पहुंचेंगे। ठीक ढंग से इलाज करियेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल निर्माण का काम पूरा हाने पर पुनः हम यहां आयेंगे। पूरे रहुई से हमारा गहरा संबंध रहा है। इस अस्पताल के निर्माण के लिये सवा उन्नीस एकड़ से ज्यादा जमीन पैठना के लोग दिये हैं। पैठना के लोग हमसे काफी प्रेम करते हैं। इनलोगों की इच्छा थी कि इस इलाके में कुछ करवायें, जिसको ध्यान में रखते हुए यहां दंत चिकित्सा अस्पताल का निर्माण करवाया गया। चुरावनपुर के लोगों ने भी जमीन दी है। जमीन देनेवाले लोगों को मैं विशेष तौर पर बधाई देता हूं। इस अस्पताल का नामकरण राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पैठना–भागनबिगहा, रहुई, नालंदा किया गया है ताकि इसमें सभी जगह का नाम आ जाय। मैं पुनः सभी का अभिनंदन करता हूँ।

उद्घाटन के अवसर पर आयोजित समारोह में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को हरित गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। स्थानीय नेताओं ने मुख्यमंत्री को फूलों की बड़ी माला पहनाकर स्वागत किया।

समारोह को उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य सह नालंदा जिला के प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, विधायक श्री हरिनारायण सिंह, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी एवं अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री प्रत्यय अमृत ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर सांसद श्री कौशलेंद्र कुमार, विधायक श्री जितेंद्र कुमार, विधायक श्री कौशल किशोर, विधायक श्री राकेश कुमार रौशन, विधायक श्री कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, पूर्व विधायक इंजीनियर श्री सुनील कुमार, पूर्व विधायक श्री शक्ति यादव, पूर्व विधायक श्री चंद्रसेन, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा, सचिव, स्वास्थ्य श्री के0 सेंथिल कुमार, सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग के सचिव सह नालंदा जिला के प्रभारी सचिव श्री अनुपम कुमार, आयुक्त, पटना प्रमण्डल श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पुलिस महानिरीक्षक पटना प्रक्षेत्र श्री राकेश राठी, प्रबंध निदेशक बी0एम0एस0आई0सी0एल0 श्री दिनेश कुमार, जिलाधिकरी नालंदा श्री शशांक शुभंकर, पुलिस अधीक्षक श्री अशोक मिश्रा, राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पैठना–भागनबिगहा, रहुई, नालंदा के प्राचार्य डॉ0 रणधीर कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मीगण उपस्थित थे।

राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुझे इस राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं

अस्पताल के बन जाने से काफी खुशी हो रही है। अब दांतों के ईलाज के लिए यहां काफी संख्या में लोग आएंगे। यहां तक आवागमन के लिए सड़कें भी ठीक ढंग से बनी हुई है। हम काफी समय से चाह रहे थे कि यह जल्द से जल्द बनकर तैयार हो जाय। मैं इसके लिए उपमुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव और अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य श्री प्रत्यय अमृत को बधाई देता हूँ। यहां दंत चिकित्सा के लिए 100 बेडों की उपलब्धता रहेगी, इसके अलावा जेनरल चिकित्सा के लिए भी इस अस्पताल में 100 बेडों की उपलब्धता होगी। उन्होंने कहा कि यह दंत अस्पताल पूरे देश का वन ऑफ द बेस्ट हॉस्पिटल होगा।

******